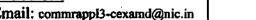


:: आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा करऔरकेन्द्रीय उत्पाद शुल्क:: O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan रेस कोर्स रिंग रोड / Race Course Ring Road



Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142Email: commrappi3-cexamd@nic.in





अपील / फाइलसंख्या/ Appeal /File No. GAPPL/COM/STP/2768/2022

मूल आदेश सं / O.I.O. No. 746/SERVICE TAX/DEMAND/2021-22

DIN20230264SX00009959F3

दिनांक/Date 22-03-2022

अपील आदेश संख्या(Order-In-Appeal No.):

BHV-EXCUS-000-APP-053-2023

आदेश का दिनांक / Date of Order: 15.02.2023

जारी करने की तारीख / Date of issue:20.02.2023

श्री शिव प्रताप सिंह, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /

Passed by Shri Shiv Pratap Singh, Commissioner (Appeals), Rajkot.

अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुरूक/ सेवाकर/वस्तू एवंसेवाकर,राजकोट / जामनगर / गांधीधाम। द्वारा उपरसिक्षित जारी मूल बादेश से सृजित: /

Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise/ST / GST, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

अपीलकर्ताक्षप्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of theAppellant&Respondent :-

M/s. VALJIBHAI G BHINGRADIYA, PLOT NO. 10, NYALDAB COMPLEX. BLOCK NO. 203, VIJAYRAJNAGARBhavnagar-364001

इस आदेश(अपील) से व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष वपील वायर कर सकता है।/ Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

सीमा गुरूक , केन्द्रीय उत्पाद शुरूक एवं संवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुरूक आधानयम , 1944 की घारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की घारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जयह की जा सकती है।/ (A)

Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

वर्गीकरण मूल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुंल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाप्तिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर॰ के॰ पुरेम, नई विल्ली, को की जानी चाहिए ।/ (i)

The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपीलों के बलावा शेव सभी अपीलें सीमा शुल्क,केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिको, ,द्वितीय तल, बहुमाली भवन असावों अहमदाबाद- ३८००१ ६को की जानी चाहिए ।/ (ii)

To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

व्यक्तिया न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुरूक (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 6 के बंतर्गत निर्धारित किए गये प्रपत्त EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से क्रम से क्रम एक प्रति के सान, जहां उत्पाद शुरूक की माँग, ज्याज की माँग और लगाया जुमीना, रुपए 5 लाख चार सर्थ के किया की माँग और लगाया जुमीना, रुपए 5 लाख चार पर में अधिक है तो कमशः 1,000/- रुपये 5,000/- रुपये का निर्धारित जमा सुरूक की प्रति संस्कृत के बिह्म के किया का निर्धारित शुरूक का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सामित्रकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सामित्रकरण की किसी प्रति होता का स्वाप्त कर शाखा में होना चाहिए। संबंधित इपएट का भुगतान, संबंधित होता प्रति के लिए आवेदन-पत्र के सीव 500/-> रुपए का निर्धारित शुरूक जमा करना होगा।/ (iii)

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of dutydemand/interest/pensity/refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, विश्व अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(1) के सहत निर्धारित प्रपन्न S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकेगी एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संसप्त करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहीं सेवाकर की मौग, अप कार्य गया गया जुर्मान, उसके का प्रति संस्था के सेवाकर की मांग और कार्य के स्वाय जुर्मान, उसके का प्रति संस्था के सेवाकर की साथ के प्रति संस्था करें। निर्धारित शुक्त का सूर्यतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रिजस्टार के नाम से किसी भी सार्वजिनक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की अस साथा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की अस साथा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑडरे) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुक्त जमा करना होगा।/

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax a interest demanded a penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax a interest demanded a penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax a interest demanded a penalty levied is more than fitty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax a interest demanded a penalty levied is more than fitty Lakhs ruleses, in the form of crossed bank draft in favour of the assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is intuated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-

B)

मपील

44

(ii)

(ii)

भारत सरकार कोपनिश्चम अवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की प्निश्चिमपाचिका निमालिकित मामलों में, केदीव उत्पाद शुल्क अक्षिनियम,1994 की द्वारा 35EE के प्रथमप्रशंक के अंतर्गतंजवर सचिव,
भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदत ईकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया
जाना चाहिए।
A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit,
Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to subsection (1) of Section-35B ibid: (C)

यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, अहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या किसी एक मंडार गृह से दूसरे मंडार गृह पारगमन के दौरान, किसी आरखाने या किसी मंडार गृह में या भंडार गृह में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी मंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में।/
In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse (i)

भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्वात कर रहे माल के बिनिर्माण में प्रयुक्त कक्के माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुन्क के छुट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र वा क्षेत्र को निर्वात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India. (ii)

वदि उत्पाद शुल्क का मुखतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल वा मुदान को माल निर्वात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty. (iii)

सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुरूक के भगतान के लिए जो इस्टी केटीट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे स्रदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा विक्त अधिनियम (न॰ 2),1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तारीख अधवा समायाविधि पर या बाद में पारित किए गए हैं।/ Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998. (ivi)

उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रपन्न संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुरूक (अपील) नियमायली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत बिनिर्विष्ट है, इस आदेश के संप्रेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश की दो प्रतिया संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुरूक अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निधारित शुरूक की अदायगी के साक्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। ती कि above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account. (v) .

पुनरीक्षण आवेदन के साथ निभिन्निबित निर्वारित शुस्क की अदायगी की जानी चाहिए। जहीं संलग्न रकम एक लाख रूपये या उससे कम हो तो रूपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रूपये से ज्यादा हो तो रूपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए। The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac. (vi)

यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश हैं तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिये। इस तथ्य के होते हुए भी की लिखा पढ़ी कार्य से बचने के लिए यथास्थित वपीलीय नयाधिकरण को एक अपील या केंद्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various umbers of order- in Original, fee for each Q.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appealant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each. (D)

यथासंशोधित न्यायालय शुल्कु अधिनियम, 1975, के अनुसूची-। के अनुसार मूल अदेश एवं स्थान आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकिट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended. ,1975, के अनुसूची-I के अनुसार मूल उन्नदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का (E)

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यावाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबन्धित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमावली की अपन अकवित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982. F

उञ्ज अपीलीव प्राप्तिकारी को अपील दाविल करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in को वेब सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in. (G)



:: अपींल आदेश / ORDER-N-APPEAL ::

M/s. Valjibhai G. Bhingradiya, Bhaynagar (hereinafter referred to as "Appellant") has filed the present Appeal against Order-in-Original No. 746/SERVICE TAX/DEMAND/2021-22 dated 22.03.2022 (hereinafter referred to as 'impugned order') passed by the Assistant Commissioner, Central GST Division, Bhaynagar-1 (hereinafter referred to as 'adjudicating authority').

- 2. The facts of the case, in brief, are that the Income Tax Department shared the third party information/ data based on Income Tax Returns/ 26AS for the Financial year 2014-15 the Appellant. A letter dated 15.07.2020 was issued by the Jurisdictional Range Superintendent requesting the Appellant to provide information/documents for the Financial year 2014-15, 2015-16, 2016-17 & 2017-18 (upto June-2017). The said letter was also sent through email to the Appellant, however, no reply was received from the Appellant.
- 3. In absence of data/information, a show cause notice dated 10.09.2020 was issued to the Appellant demanding Service Tax and cess to the tune of Rs. 9,18,529/- under Section 73(1) of the Finance Act, 1994 (hereinafter referred to as 'the Act') alongwith interest under Section 75 of the Act. It was also proposed to impose penalties under Section 77(1)(a), 78, 77(2) and 77(1)(c) of the Act upon the Appellant.
- 4. The adjudicating authority vide the impugned order confirmed Service Tax demand of Rs. 9,18,529/- under Section 73(1) along with interest under Section 75 of the Act, imposed penalty of Rs. 9,18,529/- under Section 78 of the Act and also imposed penalty of Rs. 5,000/- each under Section 77(1)(a), 77(2) and 77(1)(c) of the Act.
- 5. Being aggrieved, the Appellant has preferred the present appeal on grounds that they are a proprietor engaged in business of diamond job work intermediary service and regularly filing income tax return and are assessed to income tax for business income of job work of diamond cutting and polishing. The service of diamond job work is exempted from the Service Tax vide Notification No. 25/2012-Service Tax dated 20.06.2012 entry No. 30 (ii)(b). The Adjudicating Authority failed the consider the facts.
- 6. The matter was posted for hearing on 27.01.2023. Shri Dhanesh Patel, Accountant appeared for personal hearing with letters of authorisation. He submitted that the appellant's in these cases were providing job work service for cutting/ polishing of diamonds, which is exempted from Service Tax. They have enclosed a copy of Form 26AS, ITR, Balance sheet, Profit & Loss Account and labour charges invoices for job work with the appeals. He submitted that the appellants had moved out from their village address to other bigger cities in

Air

search of better opportunities and therefore did not receive any letters, Show Cause Notice, personal hearing letters or the Order-In-Original. When they got to know of the impugned orders at a much later date, they have filed these appeals within the stipulated time. However, at the time of filing of these appeals the date of communication of the orders is mistakenly shown same as the date of issue of the order. He undertook to provide exact date of receipt of the order in each case within a week. He requested to set aside the impugned orders.

- 7. I have carefully gone through the case records, impugned order and appeal memorandum filed by the Appellant. To ascertain the exact date of receipt of impugned order by the Appellant, a letter dated 23.12.2022 was issued to the jurisdictional Assistant Commissioner who vide his letter dated 04.01.2023 informed that the impugned order was served to the Appellant on 12.08.2022. Thus, the appeal is not time barred. I find that Show Cause Notice had been issued without verifying any data or nature of services provided by the Appellant as the same had been issued only on the basis of data received from the Income Tax department and the Adjudicating Authority has confirmed the demand of Service Tax vide impugned order.
- 8. I find that the main issue to be decided in the instant case is whether the service provided by the Appellant is taxable under Service Tax or otherwise. On going through the impugned order, it has been held by the Adjudicating Authority that the service provided by the Appellant is a taxable service in absence of information/ documents which were neither submitted by the Appellant nor they had filed any defense submission and had not appeared for personal hearing also. The Appellant on the other hand has stated their service is exempt under Sr. No. 30(ii)(b) of the Notification No. 25/2012-Service Tax dated 20.06.2012.
- 9. Now, as per the contention of the Appellant, it is to be decided whether activity carried out by them is covered under Notification No.25/2012-Service, Tax dated 20.06.2012 and as to whether the amount received for providing the services is taxable, or otherwise.
- 10. I find from the copy of Form 26AS and the sample copy of labour bills issued by the Appellant to M/s. Munjani Brothers, Bhavnagar that during the relevant period the Appellant was engaged in job work services of cutting and polishing of diamonds supplied by M/s. Munjani Brothers, Bhavnagar. On perusal of copies of the relevant documents, the amount (income) received as consideration by the Appellant for the activity carried out by them is of working upon Rough diamonds/ gemstones supplied by the customers. There is mention of date, quantity of rough diamonds in carats, quantity of polished diamonds in carats, total rough issued by customer in carats, rough returned in carats, net

rough processed in carats, sut & polished diamonds in carats, rate per carat, and labour amount in the labour charges bill issued by Appellant to their Customer.

- 11. The relevant clause 30(ii) (b) of Notification No.25/2012-ST dated 20.06.2012, which exempts certain taxable services from the whole of the service tax leviable thereon under section 66B of the said Act, is reproduced below:
 - "30. Services by way of carrying out an intermediate production process as job work in relation to -
 - *(i)*
 - (ii) any intermediate production process as job work not amounting to manufacture or production in relation to -
 - (a);
 - (b) cut and polished diamonds and gemstones; or plain and studded jewellery of gold and other precious metals, falling under Chapter 71 of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986);
 - (c) or
 - (d)"
- 12. In view of the above discussion, I find that the Appellant has carried out an activity (service) and has received certain amounts/ income (consideration) by providing services by way of carrying out services of job work of cutting and polishing of Diamonds/ gemstones. The said service provided by the Appellant though a taxable service, is fully exempt from Service Tax as the same clearly falls under clause, (ii) (b) of Entry No.30 of the Notification No.25/2012-ST dated 20.06.2012. Hence, the Appellant is not liable to pay any service tax for the service rendered by him and I hold accordingly.
- 13. In view of discussions and findings, I set aside the impugned order and allow the appeal filed by the Appellant.
- 14. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है ।
- 14. The appeal filed by Appellant is disposed off as above.

सत्यापित / Attested

आर. अस. बोरीचा / R. S. BORICHA अधीक्षक / Superintendent (शिव प्रताप सिंह)/(Shiv Pratap Singh),

के. व. एवं सेवा कर अपील्स, राजको**ङ्गायुक्त (अपील)/Commissioner (Appeals**)

By R.P.A.D. CGST Appeals, Rajkot

To, M/s. Valjibhai G. Bhingradiya, Plot No. 10, Nyaldas Complex, Block No. 203, Vijayraj Nagar, Bhavnagar.

सेवा में.

मे. वालजीआई जी. भींगराडीया, प्लॉट संख्या 10, न्यालदास कॉम्प्लेक्स, ब्लॉक संख्या 203, विजयराज नगर, भावनगर ।

प्रतिलिपि:-

1) मुख्य आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुजरात क्षेत्र, अहमदाबाद को जानकारी हेतु।

आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर आयुक्तालय,



भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

- अपर आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर को आवर्श्यकः कार्यवाही हेतु।
- 4) सहायक आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर-1 मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 5) गांड फ़ाइल।

